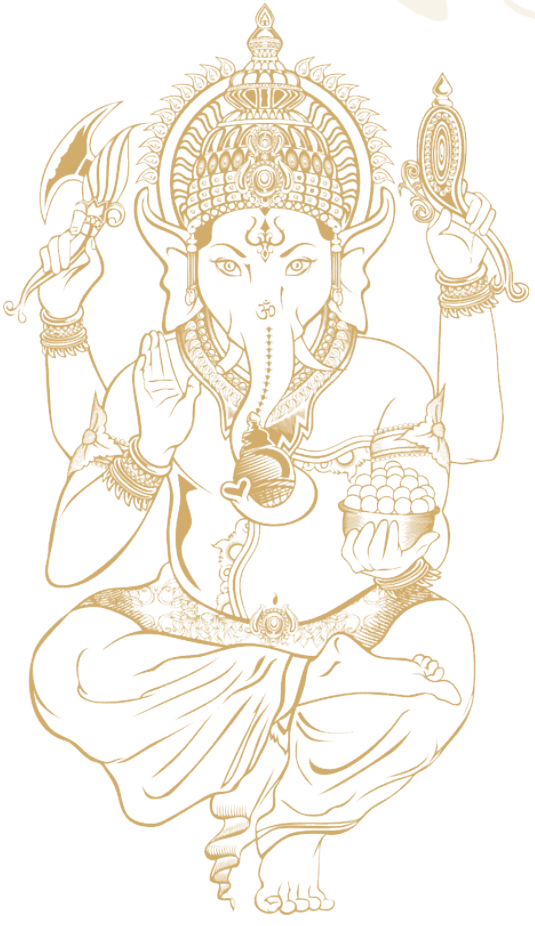

Mr.Hemraj

05 Jun 1981

04:36 PM

Lalsot

Model: web-freekundliweb

Order No: 120997502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/1981**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:36:00 घंटे**
इष्ट	27:41:50 घटी
स्थान	**Lalsot**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:11:28 घंटे
वेलान्तर	00:01:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:06:38 घंटे
सूर्योदय	05:31:16 घंटे
सूर्यास्त	19:14:52 घंटे
दिनमान	13:43:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:05:46 वृष
लग्न के अंश	17:41:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:41:30	313:03:46	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			वृष	21:05:46	00:57:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	01:58:16	14:03:44	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	वृष	06:34:30	00:42:53	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
बुध			मिथु	10:59:59	00:18:26	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु			कन्या	06:57:55	00:01:34	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	06:38:31	01:13:27	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			कन्या	09:24:10	00:00:02	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	09:02:37	00:00:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:02:37	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	03:48:17	00:02:21	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप	व		धनु	00:08:14	00:01:36	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
प्लूटो	व		कन्या	28:07:42	00:00:50	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			कर्क	20:35:41	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:37

लग्न-चलित

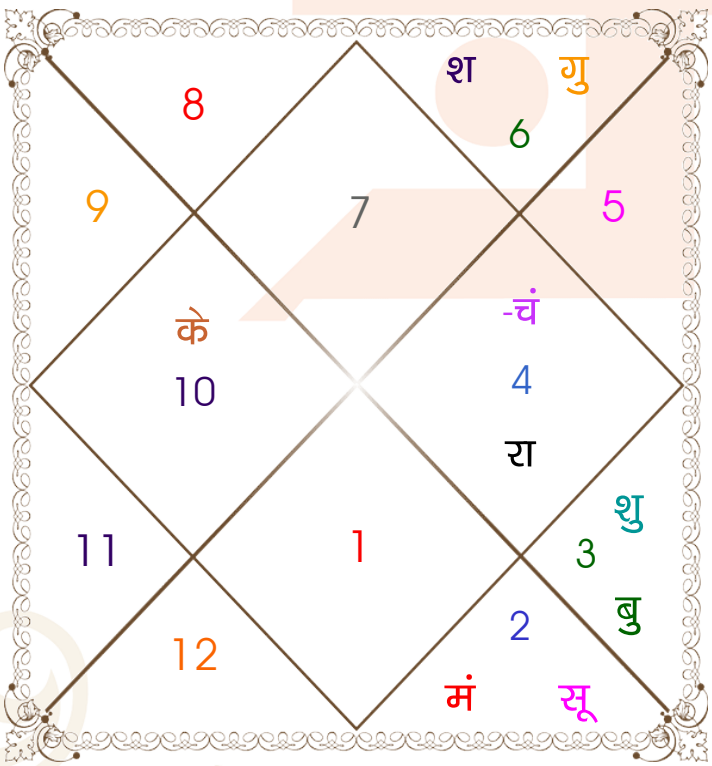

चन्द्र कुंडली

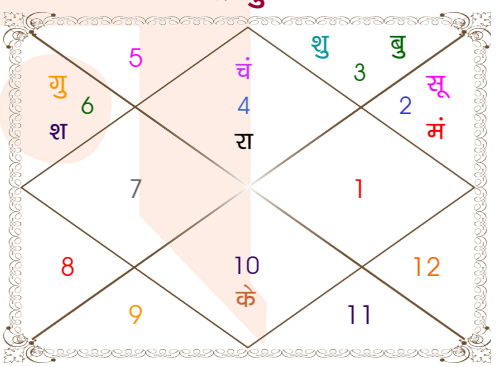

नवमांश कुंडली

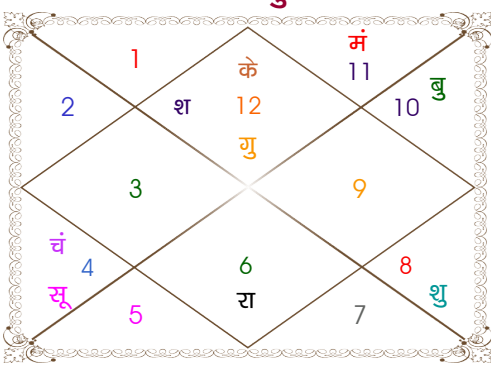

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 7 मास 18 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/06/1981		23/01/1983		23/01/2002		23/01/2019		23/01/2026	
23/01/1983		23/01/2002		23/01/2019		23/01/2026		23/01/2046	
	00/00/0000	शनि	26/01/1986	बुध	21/06/2004	केतु	21/06/2019	शुक्र	25/05/2029
	00/00/0000	बुध	05/10/1988	केतु	18/06/2005	शुक्र	21/08/2020	सूर्य	25/05/2030
	00/00/0000	केतु	14/11/1989	शुक्र	18/04/2008	सूर्य	26/12/2020	चंद्र	24/01/2032
	00/00/0000	शुक्र	14/01/1993	सूर्य	22/02/2009	चंद्र	27/07/2021	मंगल	25/03/2033
	00/00/0000	सूर्य	27/12/1993	चंद्र	25/07/2010	मंगल	24/12/2021	राहु	24/03/2036
	00/00/0000	चंद्र	28/07/1995	मंगल	22/07/2011	राहु	11/01/2023	गुरु	23/11/2038
	00/00/0000	मंगल	05/09/1996	राहु	07/02/2014	गुरु	18/12/2023	शनि	23/01/2042
	05/06/1981	राहु	13/07/1999	गुरु	15/05/2016	शनि	26/01/2025	बुध	23/11/2044
राहु	23/01/1983	गुरु	23/01/2002	शनि	23/01/2019	बुध	23/01/2026	केतु	23/01/2046

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/01/2046		24/01/2052		23/01/2062		23/01/2069		23/01/2087	
24/01/2052		23/01/2062		23/01/2069		23/01/2087		06/06/2101	
सूर्य	13/05/2046	चंद्र	23/11/2052	मंगल	21/06/2062	राहु	06/10/2071	गुरु	13/03/2089
चंद्र	11/11/2046	मंगल	24/06/2053	राहु	10/07/2063	गुरु	01/03/2074	शनि	24/09/2091
मंगल	19/03/2047	राहु	24/12/2054	गुरु	15/06/2064	शनि	05/01/2077	बुध	30/12/2093
राहु	11/02/2048	गुरु	24/04/2056	शनि	24/07/2065	बुध	25/07/2079	केतु	06/12/2094
गुरु	29/11/2048	शनि	23/11/2057	बुध	22/07/2066	केतु	11/08/2080	शुक्र	06/08/2097
शनि	11/11/2049	बुध	25/04/2059	केतु	18/12/2066	शुक्र	12/08/2083	सूर्य	25/05/2098
बुध	17/09/2050	केतु	24/11/2059	शुक्र	17/02/2068	सूर्य	06/07/2084	चंद्र	24/09/2099
केतु	23/01/2051	शुक्र	24/07/2061	सूर्य	24/06/2068	चंद्र	05/01/2086	मंगल	31/08/2100
शुक्र	24/01/2052	सूर्य	23/01/2062	चंद्र	23/01/2069	मंगल	23/01/2087	राहु	06/06/2101

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 7 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।